	একবচন	দ্বিবচন	বহুবচন
1	**নর (পুং)**	অকারান্তঃ	person
১	নরঃ	নরৌ	নরাঃ
২	নরম্	নরৌ	নরান্
৩	নরেণ	নরাভ্যাম্	নরৈঃ
৪	নরায়	নরাভ্যাম্	নরেভ্যঃ
৫	নরাৎ	নরাভ্যাম্	নরেভ্যঃ
৬	নরস্য	নরয়োঃ	নরাণাম্
৭	নরে	নরয়োঃ	নরেষু
সং	(হে) নর	(হে) নরৌ	(হে) নরাঃ

2	**গ্রন্থ (পুং)**	অকারান্তঃ	book
১	গ্রন্থঃ	গ্রন্থৌ	গ্রন্থাঃ
২	গ্রন্থম্	গ্রন্থৌ	গ্রন্থান্
৩	গ্রন্থেন	গ্রন্থাভ্যাম্	গ্রন্থৈঃ
৪	গ্রন্থায়	গ্রন্থাভ্যাম্	গ্রন্থেভ্যঃ
৫	গ্রন্থাৎ	গ্রন্থাভ্যাম্	গ্রন্থেভ্যঃ
৬	গ্রন্থস্য	গ্রন্থয়োঃ	গ্রন্থানাম্
৭	গ্রন্থে	গ্রন্থয়োঃ	গ্রন্থেষু
সং	(হে) গ্রন্থ	(হে) গ্রন্থৌ	(হে) গ্রন্থাঃ

3	**কুমার (পুং)**	অকারান্তঃ	boy,youth
১	কুমারঃ	কুমারৌ	কুমারাঃ
২	কুমারম্	কুমারৌ	কুমারান্
৩	কুমারেণ	কুমারাভ্যাম্	কুমারৈঃ
৪	কুমারায়	কুমারাভ্যাম্	কুমারেভ্যঃ
৫	কুমারাৎ	কুমারাভ্যাম্	কুমারেভ্যঃ
৬	কুমারস্য	কুমারয়োঃ	কুমারাণাম্
৭	কুমারে	কুমারয়োঃ	কুমারেষু
সং	কুমার	কুমারৌ	কুমারাঃ

	একবচন	দ্বিবচন	বহুবচন
1	**পঠ্ (পপ)**	পড়ছে	**পঠ্যতে**
প্র.	পঠতি	পঠতঃ	পঠন্তি
ম.	পঠসি	পঠথঃ	পঠথ
উ.	পঠামি	পঠাবঃ	পঠামঃ

2	**দৃশ্ (পপ)**	দেখছে	**দৃশ্যতে**
প্র.	পশ্যতি	পশ্যতঃ	পশ্যন্তি
ম.	পশ্যসি	পশ্যথঃ	পশ্যথ
উ.	পশ্যামি	পশ্যাবঃ	পশ্যামঃ

3	**দা (উপ)**	দিচ্ছে	**দীয়তে**
প্র.	দদাতি	দত্তঃ	দদতি
ম.	দদাসি	দত্থঃ	দত্থ
উ.	দদামি	দদ্বঃ	দদ্মঃ

4	**কৃ (উপ)**	করছে	**ক্রিয়তে**
প্র.	করোতি	কুরুতঃ	কুর্বন্তি
ম.	করোষি	কুরুথঃ	কুরুথ
উ.	করোমি	কুর্বঃ	কুর্মঃ

5	**অস্ (পপ)**	আছে	**ভূয়তে**
প্র.	অস্তি	স্তঃ	সন্তি
ম.	অসি	স্থঃ	স্থ
উ.	অস্মি	স্বঃ	স্মঃ

6			
	পঠ্ (কর্মণি)	পড়া হচ্ছে	**লট্**
প্র.	পঠ্যতে	পঠ্যেতে	পঠ্যন্তে
ম.	পঠ্যসে	পঠ্যেথে	পঠ্যধ্বে
উ.	পঠ্যে	পঠ্যাবহে	পঠ্যামহে

কর্মণি-- পঠ্যতে দৃশ্যতে দীয়তে ক্রিয়তে ভূয়তে। **কৃৎ-** পাঠঃ দর্শনম্ দানম্ ভবনম্।

॥সংস্কৃতে বাক্যানাং প্রকারাঃ॥

প্রথমা - **নরঃ পঠতি। নরৌ পঠতঃ। নরাঃ পঠন্তি।**

দ্বিতীয়া - নরঃ পঠতি **গ্রন্থম্**।

তৃতীয়া - গ্রন্থঃ পঠ্যতে **নরেণ**। (কর্মণি বাক্যম্, কর্তা=তৃতীয়া)

তৃতীয়া - নরঃ দদাতি **হস্তেন**। (করণম্=তৃতীয়া)

চতুর্থী - নরঃ দদাতি **কুমারায়**। (সম্প্রদানম্=চতুর্থী)

পঞ্চমী - নরঃ আদদাতি **কুমারাৎ**। (অপাদানম্=পঞ্চমী)

পঞ্চমী - **জ্ঞানাৎ** ইচ্ছা জায়তে। (ইচ্ছায়াঃ হেতুঃ জ্ঞানম্)(হেতুঃ=পঞ্চমী)

ষষ্ঠী - নরঃ পাঠম্ করোতি **গ্রন্থস্য**। (কারকম্=কৃদ্যোগ-ষষ্ঠী)

সপ্তমী - নরঃ পঠতি **গ্রামে**।/ নরঃ অস্তি **গ্রামে**। (অধিকরণম্=সপ্তমী)

সর্ববিভক্তয়ঃ - নরঃ গ্রন্থম্ হস্তেন কুমারায় গ্রন্থালয়াৎ মিত্রস্য গ্রামে দদাতি।

চতুর্থী - **গ্রন্থস্য দানায়** নরঃ গচ্ছতি গৃহম্। (বোই দিতে যাচ্ছে)

তুমুন্ - **গ্রন্থম্ দাতুম্** নরঃ গচ্ছতি গৃহম্। (বোই দিতে যাচ্ছে)

ক্ত্বা - **গৃহম্ গত্বা** নরঃ দদাতি গ্রন্থম্। (বাড়ি গিয়ে যাচ্ছে)

ল্যপ্ - **গৃহম্ আগম্য** নরঃ দদাতি গ্রন্থম্। (বোই নিয়ে যাচ্ছে)

ভাবসপ্তমী - **জনে** গ্রন্থম্ **দত্তবতি** ছাত্রঃ ওদনম্ খাদতি। (ক্তবতু)

ভাবসপ্তমী - জনেন **গ্রন্থে দত্তে** ছাত্রঃ ওদনম্ খাদতি। (ক্ত)

ভাবসপ্তমী - **জনে** গ্রন্থম্ **দদতি** ছাত্রঃ ওদনম্ খাদতি। (শতৃ)

ভাবসপ্তমী - জনেন **গ্রন্থে দীয়মানে** ছাত্রঃ ওদনম্ খাদতি। (কর্মণি শানচ্)

নির্ধারণম্ - ছাত্রঃ **শাস্ত্রাণাম্/শাস্ত্রেষু** বেদান্তম্ পঠতি। (ষষ্ঠী/সপ্তমী)

নির্ধারণম্ - অধ্যাত্মবিদ্যা **বিদ্যানাম্**। **বৃষ্ণীনাং** বাসুদেবোঽস্মি।

দ্বিকর্মকধাতুঃ - ছাত্রঃ জনম্ গ্রন্থম্ যাচতে। (কর্তরি)

দ্বিকর্মকধাতুঃ - ছাত্রেণ জনঃ গ্রন্থম্ যাচ্যতে। (কর্মণি)

ণিজন্তম্ - জনঃ ছাত্রম্ গ্রন্থম্ পাঠয়তি। (কর্তরি)

ণিজন্তম্ - জনেন ছাত্রঃ গ্রন্থম্ পাঠ্যতে। (কর্মণি)

शब्दाभ्यासः

अनु	शब्द	कर्ता	क्रिया	कर्म	करण	सम्प्रदान	अपादान	अधिकरण
1	**अ-पुं**	नर	पठति	ग्रन्थ	हस्त	कुमार	कुमार	ग्राम
2	**अ-नपुं**	मित्र	वदति	वाक्य	मुख	कलत्र	कलत्र	मन्दिर
3	**आ-स्त्री**	दुर्गा	लिखति	कविता	भुजा	अम्बा	अम्बा	वाटिका
4	**इ-पुं**	मुनि	गदति	तिथि	ध्वनि	कवि	कवि	गिरि
5	**इ-स्त्री**	युवति	लिखति	स्तुति	लिपि	जामि	जामि	भूमि
6	**ई-स्त्री**	भगिनी	भाषते	वाणी	भारती	जननी	जननी	अटवी
7	**उ-पुं**	गुरु	कथयति	धातु		शिशु	शिशु	सानु
8	**उ-नपुं**	जानु	पिबति	अम्बु	दारु	दारु	दारु	दारु
9	**इ-नपुं**	वारि	प्रविशति	दधि	अस्थि	अक्षि	अक्षि	अक्षि
10	**ऋ-पुं**	पितृ	वदति	भ्रातृ		नप्तृ	नप्तृ	
11	**ऋ-स्त्री**	मातृ	पाति	दुहितृ		स्वसृ	स्वसृ	
12	**त्,द्,ध्-पुं**	कोविद्	नयति	समिध्	सरित्	सुहृद्	सुहृद्	परिषद्
13	**इन्-पुं**	गुणिन्	गच्छति	स्वामिन्	करिन्	स्वामिन्	स्वामिन्	विटपिन्
14	**अन्-पुं**	यज्वन्	बोधति	महिमन्	आत्मन्	ब्रह्मन्	ब्रह्मन्	अध्वन्
15	**अन्-नपुं**	ब्रह्मन्	ददाति	शर्मन्	प्रेमन्	धामन्	धामन्	व्योमन्
16	**वत्-पुं**	भगवत्	रक्षति	गुणवत्		भाग्यवत्	भाग्यवत्	इरावत्
17	**स्-पुं**	वेधस्	सृजति	चन्द्रमस्	मनस्(नपुं)	वृद्धश्रवस्	वृद्धश्रवस्	उषस्(स्त्री)
18	**स्-नपुं**	रक्षस्	वदति	दुर्वासस्	वचस्	दुर्वासस्	दुर्वासस्	महस्
19	**किम्-पुं**	किम्	पठति	किम्	किम्	किम्	किम्	किम्
20	**किम्-स्त्री**	किम्	पठति	किम्	किम्	किम्	किम्	किम्

2 नरः पठति ग्रन्थम्।
3 ग्रन्थः पठ्यते नरेण
3 नरः ददाति हस्तेन।
4 नरः ददाति कुमाराय।
5 नरः आददाति कुमारात्।
6 नरः पाठम् करोति ग्रन्थस्य।
7 नरः पठति ग्रामे।

2 दुर्गा लिखति कविताम्
3 कविता लिख्यते दुर्गया
3 दुर्गा लिखति भुजया
4 दुर्गा ददाति अम्बायै
5 दुर्गा आददाति अम्बायाः
6 दुर्गा लेखनम् करोति कवितायाः
7 दुर्गा लिखति वाटिकायाम्